FULL STOP - 12

➢➢ वैराग लाने के लिए अभ्यास

➳ _ ➳ अपने हर जन्म में स्वयं के जीवन में वही वही सीन होते हुए देखिये

→ बार बार बदलते मां बाप

→ बार बार बदलते बच्चे

→ जीवन में लोग आये और चले गए

→ बार बार बदलती भोगनायें

→ बार बार बदलते बोझ

➳ _ ➳ आखिर क्या पाया बार बार वही कार्य करके ?

→ हर जन्म में यही तो करते आ रहे हो

→ क्या एक ही act बार बार करते रहोगे ?

➢➢ महारथी और घोड़ेसवार में मुख्य अंतर

➳ _ ➳ महारथियों की साक्षी स्थिति उनकी नेचुरल स्थिति होती है

→ महारथियों में किसी के भी पार्ट को देख क्या, क्यों का प्रशन नहीं उठता...

→ लक्षमण के प्रशन उठता है की रावण इतना जोर से क्यों हँसता है ? उसे समझना होगा की यह उसका पार्ट है

→ साक्षी स्थिति में नेगेटिव की तरफ भी झुकाव नहीं तो पॉजिटिव की तरफ भी झुकाव नहीं होना चाहिए

→ बाबा इतना भावुक नहीं होता की कैसे जाऊं इन्हें छोड़कर... जितना न्यारा उतना प्यारा

→ “कोई डूब रहा है .. उसे डूबने दो.. यह उसका पार्ट है” - यह साक्षी स्थिति नहीं है... कर्म नहीं छोड़ना है... कर्म करते हुए साक्षी रहना ही यथार्थ साक्षी अवस्था है

Avyakt Murli Refrence :- Page Number 13 & 14 Of Full Stop Book

---